स्व–रचित शिक्षण की प्रक्रिया क्या है?

कृपया यह सुत्र देखिये – The self-design process (http://swarajuniversity.org/theselfdesignprocess.aspx)

स्वराज युनिवर्सिटी में आप क्या सीखेंगे?

स्वराज युनिवर्सिटी की सीखने की प्रक्रिया स्व–रचित सिद्धान्तों पर आधारित है। जिसका अर्थ है, खोजी कब, क्या और कैसे सिखेगा यह अपनी रूचि के अनुसार सहयोगी वातावरण में निर्देशित करेगा। इस कार्यक्रम में हम सिखने की प्रक्रिया के साथ–साथ उसकी विशय–वस्तु एवं उसके उपयोग को भी पुनः परिभाशित करने पर ज़ोर देंगे।

इस कार्यक्रम में हम खोजियों को प्रोत्साहित करेंगे कि वे स्थानिय स्तर पर समाज और पर्यावरण की दृश्टि से उपयोगी एवं सार्थक व्यवसाय को जन्म दे, बजाय नौकरी करने के। 21वीं सदी की चुनौतियों को देखते हुए स्वराज युनिवर्सिटी में विभिन्न विशयों पर खोज एवं प्रयोग के मौके खोजियों को मिलेंगे, जिनमें से कुछ इस प्रकार है –

- पारम्परिक देशी खेती एवं 'ऑरगेनिक' हाट
- स्व–उपचार एवं परम्परागत स्व–चिकित्सा
- देशी कपड़े (खादी एवं हर्बल डाइस) से नई फैशन
- प्राकृतिक घर (एन्वार्यमेन्ट फ्रेन्डली) बनाने के तरीके
- सामुदायिक मीडिया
- वैकल्पिक ऊर्जा
- कबाड़ से जुगाड़

इसके साथ ही खोजी को कई प्रकार की व्यक्तित्व निर्माण एवं अपने व्यवसाय को शुरु करने में उपयोगी गतिविधियों, जैसे कम्प्युटर की बेसिक जानकारी, वेब डिजाईनिंग, डेस्कटॉप पब्लिशिंग, स्पोकन इंग्लिश, मार्केटिंग, वित्त–नियन्त्रण, लेखन एवं अपने विचारों का सशक्त प्रस्तुतीकरण, सिलाई, खेती, योगा एवं अन्य वाणिज्यिक क्रियाकलापों में भाग लेने का भी मौका मिलेगा।

खोजी को कैसे पता चलेगा कि उसे अपने समय के साथ क्या करना है?

जब हम वर्तमान व्यवस्था की मुख्य धारा में रहते हैं तो अपने सभी कामों के लिये दूसरों के बनाए रास्तों और अनुभवों पर इतने निर्भर हो जाते हैं कि हम इसके आदी हो जाते हैं और तब हमारी पसंद–नापसंद की हमारे लिये कोई अहमियत नहीं रह जाती। इसिलिये जब खोजी को अपनी रूचि पर आधारित कार्य करने का मौका मिलता है तो शुरुआत में उसे अपनी दिशा तय करने में बहुत दिक्कत आती है। जबकि स्वनिर्मित शिक्षण के पथ पर चलने के लिये यही एक आदर्श माहौल होता है

जहाँ उसे स्वयं को एवं स्वयं की रूचियों को जानने, स्थानिय पर्यावरण के साथ उसके रिश्ते आदि पर स्व–चिन्तन करते हुए आत्मनिर्भरता की और आगे बढ़ने का मौका मिलता है। इस बात को समझ लेने के बाद खोजी के सामने समय का सवाल बिल्कूल खत्म हो जाता है।

स्वराज युनिवर्सिटी में सबसे अनोखी बात यह है कि खोजी स्व–निर्धारित सिखने की इस प्रक्रिया में अकेला नहीं होता बल्कि अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सिखते हुए आगे बढ़ता है।

बिना किसी परिक्षा, ग्रेड एवं प्रगति–पत्र के खोजी को यह कैसे पता चलेगा कि उन्होंने अपने विशय में कितनी दक्षता प्राप्त की है? एवं वे दूसरों के सामने कैसे प्रदर्शित करेंगे कि उन्होंने क्या सीखा है?

जब हम अपनी रूचि के किसी कार्य को चुनते हैं तब अपनी दक्षता का निर्णायक भी हमें स्वयं ही होना चाहिये, क्योंकि इस प्रक्रिया में हम अपना लक्ष्य एवं कार्य की संतुश्टि का स्तर स्वयं निर्धारित करते हैं। इसके अलावा किसी ऐसे व्यक्ति को अपना आदर्श मान सकते हैं जिसने उस कार्य में अपना मुकाम स्थापित कर लिया हो, और तब हम उस आधार पर अपनी दक्षता एवं सफलता का ईमानदारीपूर्वक मूल्यांकन एवं स्व–चिन्तन स्वयं कर सकते हैं।

स्वराज युनिवर्सिटी में हर खोजी को यह मौका मिलता है कि वह अपना खोजी दस्ता एवं सुझाव समूह बनाए जो इस प्रक्रिया में उनको प्रतिक्रिया एवं कार्य को उत्कृश्टता के स्तर पर ले जाने में मदद करे।

विशय विशेश में खोजी का गहन ज्ञान और अपने आप में विश्वास यह प्रदर्शित करेगा कि उसने क्या सीखा है। इसके साथ ही यहाँ हर खोजी अपना पोर्टफोलियो भी तैयार करेगा जिसमें उसकी स्व–रचित शिक्षण की प्रक्रिया से सम्बन्धित प्रतिक्रियाएँ, फोटोग्राफ, उस्ताद (गुरू) द्वारा प्राप्त मान्यता–पत्र एवं अपने कार्य से सम्बन्धित अनुभव आदि का विस्तृत विवरण हो। इस पोर्टफोलियो के द्वारा खोजी दूसरों को दिखा सकता है कि उसे उसके विशय में कितना गहन ज्ञान है।

स्वराज युनिवर्सिटी में सिखाने वाले उस्ताद (गुरू) कौन होंगे? वे अपने विशय में कितने निश्णात है?

स्वराज युनिवर्सिटी की आत्मा खोजी की अपने उस्ताद के साथ नज़दीकी, आमने–सामने, व्यक्तिगत सम्बन्धों पर आधारित है। इस प्रक्रिया से जुड़े सभी उस्ताद (गुरू) में एक समानता है कि उनका अपने काम के प्रति इतना जुनून है कि उनसे जुड़ने वाले में भी जोश का संचार हो जाता है। सभी उस्ताद अपने कार्य–क्षेत्र में अग्रणी हैं, जो पूरे उत्साह एवं लगन से अपने युवा खोजी के साथ सह–शिक्षण में व्यस्त रहने की काबिलियत रखते हैं।

हमारे उस्ताद (गुरू) के बारे में अधिक जानकारी हेतु दिया गया सुत्र देखें – About Ustaads (http://swarajuniversity.org/ustaads.aspx)

स्वराज युनिवर्सिटी के इस प्रोग्राम में कौन शमिल हो सकते हैं?

यदि आप में नीचे दी गई योग्यताएँ हैं, अगर...

– आप अपने सीखने का पथ स्वयं तय करना चाहते हैं।
– आप नई विचार धाराओं के प्रति अपने आप को खुला रखते है।
– आप एक स्वस्थ और आत्मनिर्भर समुदाय खड़ा करने की कल्पना एवं युक्ति रखते हैं।
– आप वैश्विक स्वर की ज्वलन्त समस्याओं का सामना करने का सरोकार और चाहत रखते हैं

तो यह प्रोग्राम आपके लिये सर्वथा उपयुक्त है।

स्वराज युनिवर्सिटी में जुड़ने के लिए हमें आपकी जिज्ञासा और जोश की आवश्यकता है, न कि किसी स्कूली डिग्री अथवा डिप्लोमा की। औपचारिक शिक्षा से हटकर सोच रखने वालों का यहाँ स्वागत है। इस युनिवर्सिटी में जुड़ने के लिये न्यूनतम आयु सीमा 16 वर्श है।

स्वराज युनिवर्सिटी का परिसर कहाँ है?

स्वराज युनिवर्सिटी इस सोच को मान्यता देती है कि पुरा विश्व हमारा परिसर है। ज्ञान सीमित ईमारतों में ही प्राप्त नहीं होता, बल्कि हर जगह ज्ञान के भण्डार भरे पड़े हैं। इसलिये विभिन्न समाज–सम्प्रदायों और प्रेरणा जनक व्यक्तियों को जानने का सर्वोत्तम तरीका यही है कि हम स्वयं उनके पास पहुँचे। इसी सोच को ध्यान में रखकर पहली बार हम यहाँ पर बदलते हुए परिसर की कल्पना को साकार कर रहे हैं।

खोजी अपनी सिखी हुई कला, शिल्प और तकनीक के आपसी आदान–प्रदान, प्रयोग एवं संवाद करने के लिये कुछ महिनों के अन्तराल में राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश और महाराश्ट्रा में स्थित परिसर में मिलेंगे। हमारे सभी परिसर शाकाहारी, ऑरगेनिक एवं स्थानिय खान–पान को प्राथमिकता देंगे, साथ ही ज़ीरो वेस्ट जीवन–शैली सिद्धान्त के आधार पर संचालित होंगे। हर परिसर में खोजी के उपयोग हेतु कम्प्युटर और वाई–फाई इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

खोजी के रहने की व्यवस्था कहाँ होगी?

खोजी शिविर और उस्ताद के साथ रहकर सीखना हमारे कार्यक्रम के दो प्रमुख भाग होंगे।

कार्यक्रम के पहले भाग – शिविर (2–4 सप्ताह) के दौरान सभी खोजी एक साथ विभिन्न राज्यों में स्थित हमारे परिसरों में रहेंगे। इन परिसरों के अन्तर्गत ऐसे स्थानों को चुना गया है जो गहन शिक्षण एवं विशुद्ध जीवन शैली जीने की प्रेरणा दे सकें।

हमारे कार्यक्रम का दूसरा भाग – उस्ताद के साथ रहकर सीखना होगा। इसमें खोजी अपनी रूचि का कार्य चुनेंगे। उन्हें उस विद्या के उस्तादों के साथ 1 से 2 महिने की अवधि तक रहने का मौका मिलेगा। इस दौरान खोजी अपने उस्ताद के साथ उनके निवास स्थान अथवा उनके नगर में रहेंगे जो राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराश्ट्रा एवं दिल्ली में होंगे।

अन्य कॉलेज/युनिवर्सिटी से स्वराज युनिवर्सिटी अलग कैसे है?

कृपया दिया गया सुत्र देखिये – Compare (http://swarajuniversity.org/salientfeatures.aspx)

खोजी के लिये स्वराज युनिवर्सिटी में अनुमानित खर्च क्या होगा?

आज हम अपने आस–पास सभी चीजों का बाज़ारीकरण होते हुए देख रहे हैं, जिसमें शिक्षा भी शामिल है। इस कारण से हमारे समाज में सदीयों से चली आ रही सीखने की विभिन्न प्रक्रियाएँ, ज्ञान का आपसी आदान–प्रदान आदि विलुप्त होते जा रहे हैं।

स्वराज युनिवर्सिटी में हमारा मानना है कि सिखाने की कोई कीमत नहीं लगानी चाहिये। जब हम ऐसी सोच समाज में वापस लायेंगे, तब यह विभिन्न प्रकार की सीखने–सिखाने की प्रक्रियाओं को नये रूप देगी।

इसके बावजुद इस कार्यक्रम में हर खोजी का रहने–खाने के साथ–साथ यात्रा आदि पर खर्च होगा ही। हम चाहते हैं कि अगर संभव हो तो खोजी स्वयं इनका वहन करे। अगर आपके लिये अतिरिक्त सहयोग देना भी संभव है, तो वह किसी अन्य खोजी की सहायता करने मे मददगार साबित होगा। किसी भी कारणवश आपके लिये स्वयं का खर्च उठाना संभव नहीं है, तो हम आपके लिये छात्रवृत्ति की व्यवस्था की कोशिश कर सकते हैं।

क्या मुझे इस कार्यक्रम के बाद मान्यता प्राप्त डिग्री या डिप्लोमा मिलेगा?

नहीं, इस कोर्स के बाद हम किसी प्रकार की डिग्री या डिप्लोमा नहीं देंगे।

अपने कार्य के समापन पर आपको एक *'कार्यक्रम समाप्ति पत्र'* मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान आपके द्वारा किये गए कार्य, अनुभव, अपने कार्यक्षेत्र की गहन जानकारी, उस्ताद एवं संगठन द्वारा दिये गए *'मान्यता–पत्र'* आदि का पोर्टफोलियो आपके पास मौजुद रहेगा। हमारा मानना है कि *'मान्यता–पत्र'* एवं आपके अनुभव से सम्बन्धित पोर्टफोलियो ज्यादा अहमियत रखता है बजाय किसी डिप्लोमा या डिग्री के।

इसके अलावा स्वराज युनिवर्सिटी में आपको ऐसे प्रभावशाली संगठनों एवं संस्थाओं से रूबरू कराया जायेगा जो व्यक्ति की योग्यता एवं अनुभव के आधार पर अपने साथ कार्य करने के अवसर प्रदान करेंगे, बजाय उसकी डिग्री या डिप्लोमा की माँग करने के।

स्वराज युनिवर्सिटी में अपनी पढ़ाई पुरी करने के बाद क्या मैं अन्य कॉलेज या युनिवर्सिटी में प्रवेश ले सकुंगा/सकुंगी?

हमने पता लगाया है कि कई इज्जतदार देशी–विदेशी ऑन–लाईन एवं ऑपन युनिवर्सिटी हैं जो आपके *'मान्यता–पत्र'* एवं आपके अनुभव से सम्बन्धित पोर्टफोलियो को अधिक महत्व देते है। अपने प्रभावी कार्यानुभव और अपने कार्यक्षेत्र की दृढ़ जानकारी के बाद आपके लिये इस प्रकार की युनिवर्सिटी में प्रवेश संभव होगा।

इस कोर्स को करने के बाद किस प्रकार के कार्य मिलने के मौकों की संभावना है?

इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय यह है कि युवा पथ–प्रदर्शकों में अपने स्व–रचित शिक्षण के अन्त तक खुद के व्यवसाय शुरू करने की काबिलियत पैदा हो। हर खोजी के पास आवश्यक गहरा अनुभव, ज्ञान और विश्वास होगा, साथ ही वह अपने आसपास के संसाधनो को जुटाकर अपनी रूचि पर आधारित आजिविका का काम शुरु कर सकेंगें। जैसे कि..

- अपने सपनों के स्थानिय समुदाय आधारित व्यवसाय शुरू करना जो पर्यावरण एवं समाज के हित को प्राथमिकता दे।
- देश–विदेश की प्रमुख सामाजिक संस्थाओं के लिये कार्य करना।
- सामाजिक उत्थान के विचार को क्रियान्वित करने के लिये सहयोग राशि जुटाना।
- बड़े सामाजिक आन्दोलनों के सक्रिय भाग बनना।

कार्यक्रम कब शुरु होगा?

कार्यक्रम शुरु होने की जानकारी प्राप्त करने के लिये कृपया हमसे swarajuni@gmail.com पर सम्पर्क करें।

मैं स्वराज युनिवर्सिटी में कैसे प्रवेश पा सकता/सकती हूँ?

प्रवेश प्रक्रिया की पहली सीढ़ी है, अपनी रूची को व्यक्त करने वाला घोशणा–पत्र भरकर हम तक जल्द से जल्द पहुँचाना। घोशणा–पत्र के लिये दिया गया सूत्र देंखे – Declaration of intent (http://swarajuniversity.org/informationform.aspx)

इसके बाद आपको 3–5 दिन के छोटे शिविर के लिये बुलाया जाएगा। जहाँ पर आप इस कार्यक्रम की प्रक्रिया को अच्छी तरह से जान सकेंगे और यहीं पर हम साथ मिलकर तय करेंगे कि आप हमारे साथ जुड़ सकते हैं अथवा नहीं। इसके बाद इस अनोखी प्रक्रिया की शुरुआत होगी।